45 वर्ष | पंचम अंक | दिसम्बर 2022

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

530वाँ सफलतम अंक

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

9 राष्ट्रीय घटनाक्रम

15 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

21 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

28 नोबेल पुरस्कार 2022

32 नवीनतम सामान्य ज्ञान

38 खेलकूद

43 36वें राष्ट्रीय खेल गुजरात में सम्पन्न

45 रोजगार समाचार

46 विज्ञान प्रौद्योगिकी

48 दिव्य दर्पण

अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

56 **विकास महतो**
सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में चयनित (110वाँ स्थान)

58 **मयंक दुबे**
सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में हिन्दी माध्यम से चयनित (147वाँ स्थान)

61 **अतुल कुमार सिंह**
उत्तर प्रदेश सिविल सेवा परीक्षा, 2021 में प्रथम स्थान पर चयनित

62 **कुमार शुभम्**
66वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (213वाँ स्थान)

65 **स्मरणीय तथ्य**

विश्व परिदृश्य

67 सुरक्षा परिषद् में भारत-चुनौतियाँ तथा अवसर

69 भारत व बांग्लादेश सम्बन्ध-निकटता की नई आहट

फोकस

71 (1) केन्द्रीय बैंक डिजिटल करेंसी : सम्भावनाएं और चुनौतियाँ
73 (2) वैश्विक तपिश से झुलसती धरती और आसमान
77 (3) आधुनिक दासता के दो घृणित स्वरूप : बलात् श्रम एवं बलात् विवाह

विविधा

80 ऐतिहासिक स्थल एवं ऐतिहासिक व्यक्तित्व
85 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

लेख

91 **आर्थिक लेख**—भारतीय बैंकिंग प्रणाली—परिवर्तित प्रवृत्तियों पर एक दृष्टिनिक्षेप

94 **सागरीय लेख**—तटीय पारिस्थितिकी तंत्र : एक समीक्षा

96 **अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख**—(i) एससीओ क्या अमरीका विरोधी गुट बन जाएगा?

99 (ii) भारत की विदेश नीति में बांग्लादेश की अहमियत

101 **पारिस्थितिकी-पारितंत्र लेख**—जल संसाधन के उपयोग और इसका प्रबंधन

108 सार संग्रह

हल प्रश्न-पत्र

111 सामान्य अध्ययन-I—सिविल सेवा मुख्य परीक्षा, 2022 (द्वितीय प्रश्न-पत्र)

118 सामान्य अध्ययन—सम्मिलित रक्षा सेवा (II) परीक्षा, 2022

126 बिहार बी.एड. कॉमन एन्ट्रेन्स टेस्ट, 2022

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

132 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

134 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

ऐच्छिक विषय

137 **इतिहास**—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2021

150 **हिन्दी**—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2021

सामान्य/विविध

162 वर्षांत समीक्षा 2021 : मत्स्य पालन विभाग, मत्स्य पालन पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

ज्ञानार्जन के नवीन क्षितिज

166 **क्या आप जानते हैं ?**

167 **अपना ज्ञान बढ़ाइए**

श्रेष्ठतर प्रतिभागी

168 **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक**—211

171 **प्रथम पुरस्कृत निबन्ध**—जलवायु परिवर्तन के बदलते प्रभाव

173 **निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक**—519 का परिणाम

174 English Language—IDBI Executive Exam., 2019

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

सम्पादकीय

संघर्ष आपका धर्म है

''समस्याएं जीवन का पर्याय हैं. समस्त महापुरुष समस्याओं से जूझने के उपरान्त ही महानता पद के अधिकारी बने हैं. समस्त ग्रन्थों और महापुरुषों का यही कथन है कि उठो संघर्ष करो और जीवन में आगे बढ़ो.''

मानव को स्वतन्त्र व्यक्तित्व एवं इच्छा-शक्ति प्राप्त है. फलतः वह अपनी व्यक्तिगत विशिष्टताओं के कारण अपने जैसा अन्य किसी मानव को नहीं पाता है. इस विशिष्टता विशेषकर विचार सम्बन्धी भिन्नता के कारण उसे पग-पग पर संघर्ष करना पड़ता है. अतएव संघर्ष और उसके कारणों का निवारण उसका कर्तव्य अथवा धर्म बन जाता है.

हम सुविधा का जीवन व्यतीत करना चाहते हैं. ऐसा जीवन क्या अनायास प्राप्त होता है, जो ऐसा सोचते हैं, उनके हाथ निराशा लगती है और वे ईश्वर और भाग्य को कोसते हुए अपना जीवन गँवा देते हैं ? समाज उन्हें बेकार और व्यर्थ का व्यक्ति कहता है. ऐसे नकारात्मक विचार वाले लोग या तो कठिनाइयों के भय से कोई कार्य आरम्भ ही नहीं करते हैं अथवा कठिनाइयों के आने पर कार्य को अधूरा बीच में ही छोड़ देते हैं. वे संघर्ष करने से कतराते हैं. सम्भवतः ऐसे लोग जो मिल जाए, जैसा मिल जाए वैसा ही खा-पीकर, पहन-ओढ़कर, गुमनामी का जीवन व्यतीत करना चाहते हैं. हमारे विचार से ऐसे लोग महत्वाकांक्षी नहीं हो सकते हैं.

समस्त ग्रन्थों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है, हमें कर्म के लिए जीवन मिला है. कठिनाइयाँ एवं दुःख और कष्ट हमारे शत्रु हैं, जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है. अंग्रेजी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि ''कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं, किन्तु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं.''

विश्व के प्रायः समस्त महापुरुषों के जीवन-वृत्त, अमरीका के निर्माता जॉर्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन-चरित्र, हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है. इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा, परन्तु ये घबराए नहीं संघर्ष करते रहे और अन्त में सफल हुए.

संघर्ष के मार्ग में अकेला ही चलना पड़ता है. कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करता है. श्रीराम ने स्वर्गगामी जटायु से पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा था कि—

सीता हरन तात जनि कहहु पिता सन जाइ ।
जौं मैं राम त कुल सहित कहिहि दसानन आइ ।।

●●●